व्याख्यान में शोध पत्र लेखन के तरीके बताए

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग की ओर से शोध पत्र लेखन में निपुणता : एक चरणबद्ध पद्धतिगत मार्गदर्शिका पर ऑनलाइन व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता युनिवर्सिटी ऑफ पीपल कैलिफोर्निया के डॉ. फिरदौस अहमद मलिक ने गुणात्मक शोध पत्र लिखने के लिए तकनीकों और शोध पत्र लेखन में उनके योगदान पर विश्लेषण प्रस्तुत किया।

अनुभव आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है एनईपी

लखनऊ। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अनुभव आधारित शिक्षा की ओर लेकर जाती है। जो विद्यार्थियों को रोजगार परक बनाने के साथ ही आत्मनिर्भर बनने पर जोर देती है। प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय में विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर दृष्टिबाधितार्थ विभाग एवं स्थायी आयोजन समिति की ओर से आयोजित एनईपी-2020 पर हुए व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। इस मौके पर डॉ. कौशल शर्मा, प्रो. वीके सिंह, प्रो. अवनीश चंद्र मिश्रा एवं प्रो. सीके दीक्षित, प्रो. वीरेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे। संवाद

नौकरी देने वाले उद्यमी छात्र बनायें विश्वविद्यालय : प्रो. चक्रवाल

- एनईपी 2020 पर व्याख्यान का आयोजन : भारत की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलावों पर चर्चा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर दृष्टिबाधितार्थ विभाग एवं स्थायी आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. शकुन्तला मिश्रा मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन रविवार को किया गया।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने एनईपी पर प्रकाश डालते हुए कौशल विकास की बात की। उन्होंने बताया कि यह शिक्षा नीति व्यक्ति को अनुभव आधारित शिक्षा की ओर उन्मुख करती है। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा दिये जाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में इस ओर किए जा रहे अभिनव प्रयोगों को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ साझा किया और यह भी आह्वान किया कि विश्वविद्यालय देश के विकास में सक्रिय योगदान दे सकते हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए प्रो. चक्रवाल ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालयों का योगदान केवल किताबी शिक्षा देना ही नहीं अपितु उन्हें देश का एक ऐसा नागरिक बनाना है जो प्रत्येक प्रयास द्वारा स्वयं का और देश का चहुमुखी विकास कर सके। इसके लिए विद्यार्थियों को केवल नौकरी के लिए तैयार करना ही एकमात्र विकल्प नहीं है बल्कि विद्यार्थियों में ऐसे कौशलों का विकास करना है जो उन्हें नौकरी देने वाले उद्यमी बना सके। व्याख्यान में प्रतिभाग कर रहे दिव्यांग विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय तथा अन्य शैक्षिक संस्थानों द्वारा किए जा रहे अभिनव प्रयोगों के संदर्भ में अपनी जिज्ञासायें भी रखीं। दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई जिज्ञासाओं की सराहना करते हुए प्रो. चक्रवाल ने दिव्यांगजनों का राष्ट्र के विकास में योगदान पर विस्तार से चर्चा की। एनईपी 2020 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित विशेष व्याख्यान में शिक्षा नीति की संभावनायें, चुनौतियां और क्रियान्वयन प्रक्रिया के बारे विस्तार से चर्चा भी हुई। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता-शैक्षणिक प्रो. विनोद कुमार सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने एनईपी 2020 को भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्य वक्ता, प्रसिद्ध शिक्षाविद, नीति विशेषज्ञ एवं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने व्याख्यान के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह नीति, शिक्षा को समावेशी और बहुआयामी बनाकर भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों ने विषय पर गहरी रुचि दिखायी। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों में नीति के क्रियान्वयन, तकनीकी संसाधनों की कमी और रोजगार आधारित शिक्षा की चुनौतियों पर चर्चा हुई।

'विद्यार्थियों को नौकरी देने वाला उद्यमी बनाएं'

जासं ● लखनऊ : 'विश्वविद्यालयों का योगदान केवल किताबी शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को देश का एक ऐसा नागरिक बनाना है जो प्रत्येक प्रयास से स्वयं एवं देश का चहुमुखी विकास कर सके। विद्यार्थियों को सिर्फ नौकरी के लिए तैयार करना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। विद्यार्थियों में ऐसे कौशलों का विकास करना है जो उन्हें नौकरी देने वाले उद्यमी बना सके।' यह विचार गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने बतौर मुख्य वक्ता डा. शकुंतला विश्वविद्यालय में विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर रखे।

दृष्टिबाधितार्थ विभाग एवं स्थाई आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 विषय पर प्रो. वीके सिंह ने कहा कि एनईपी भारत के युवाओं को ज्ञान, कौशल व रोजगारपरक शिक्षा से सशक्त बनाएगी। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में नीति के क्रियान्वयन, तकनीकी संसाधनों की कमी व रोजगार आधारित शिक्षा की चुनौतियों पर चर्चा हुई।

विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने वाली दें शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विश्व ब्रेल दिवस के अवसर पर डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में दृष्टिबाधितार्थ विभाग एवं स्थायी आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल मौजूद रहे।

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कहा कि यह शिक्षा नीति व्यक्ति को अनुभव आधारित शिक्षा की ओर उन्मुख करती है उन्होंने

कार्यक्रम में शामिल अतिथि। अमृत विचार

» पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में इस ओर किए जा रहे अभिनव प्रयोगों को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ साझा किया और यह भी आह्वान किया कि विश्वविद्यालय देश के विकास में सक्रिय योगदान दे सकते हैं। बताया कि विश्वविद्यालयों का योगदान केवल किताबी शिक्षा देना ही नहीं अपितु उन्हें देश का एक ऐसा नागरिक बनाना है जो प्रत्येक प्रयास द्वारा स्वयं का एवं देश का चहुमुखी विकास कर सके और इसके लिए विद्यार्थियों को केवल नौकरी के लिए तैयार करना ही एकमात्र विकल्प नहीं है बल्कि विद्यार्थियों में ऐसे कौशलों का विकास करना है जो उन्हें नौकरी देने वाले उद्यमी बना सके।

कार्यक्रम में मौजूद प्रो. कौशल शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि छात्रों को समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता-शैक्षणिक प्रो. विनोद कुमार सिंह एनईपी 2020 को भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह नीति भारत के युवाओं को ज्ञान, कौशल और रोजगारपरक शिक्षा से सशक्त बनाएगी।

पीजी के कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने परास्नातक के कई विषयों के विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। dsmru.up.nic.in से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। एम.ए अर्थशास्त्र पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 17 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की 11 से 20 जनवरी तक, एमए शिक्षा शास्त्र तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 24 जनवरी, पहले सेमेस्टर की 16 से 23 जनवरी तक होंगी। बी.ए पांचवें सेमेस्टर का संशोधन परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। एमए हिंदी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 से 21 जनवरी और पहले सेमेस्टर की 12 से 21 जनवरी तक होंगी।

वायवा परीक्षा सात को

लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने बी.काम पांचवें सेमेस्टर के छूटे छात्र-छात्राओं के इंटर्नशिप प्रोजेक्ट की वायवा परीक्षा की तिथि तय कर दी है। यह वायवा परीक्षा सात जनवरी को दोपहर 12 बजे से होगी। डीन अर्चना सिंह ने इसकी सूचना जारी की।